

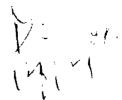
श्रताबारस

### EXTRAORDINARY

भाग I---खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित



## PUBLISHED BY AUTHORITY

₹fo 286]

नई विल्ली, बुभवार, नवस्वर 28, 1973/ग्रग्रहायण 7, 1895

No. 286] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 28, 1973/AGRAHAYANA 7, 1895

इस भाग में भिक्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के लए में रखा जा सके ?

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Roads Wing)

RESOLUTION

New Delhi, the 28th November 1973

No. P. L.-30(215)/72.—In continuation of this Ministry's Resolution No. PL-30 (215) 172, dated the 20th August, 1973, the tenure of the Committee constituted in this Ministry's Resolution No. PL-30 (215)/72, dated the 23rd March, 1973 is hereby extended by another two months i.e. upto 27th January, 1974

### ORDER

Ordered that copies of the Resolution be communicated to the Members of the Committee.

Also ordered that copies of the Resolution be communicated to all State Governments/Local Admns. PL/O Committee on Science and Technology (Department of Science and Technology); Council of Scientific and Industrial Research, Central Road Research Institute and also that it be published in the Gazette of India for general information.

J. S. MARYA.

Director General (Road Development) and Addt. Secy.

# नीवहन भीर परिवहन मंत्रालय

(सडक पक्ष)

संकल्प

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

सं० पी० एस०-30(215)/72. — इस मंत्रालय के संकल्प सं० पी० एस०-30 (215)/72, दिनांक 20 अगस्त, 1973 के कम में इस मंत्रालय के संकल्प सं०पी एस-30 (215)/72, दिनांक 23 मान, 1973 द्वारा संगठित समिति की कार्यविधि, एतव्द्वारा श्रीर दो महीने के लिये अर्थात् 27 जनवरी, 1974 तक बढ़ा दी जाती है।

# **अ**श्रवेश

श्रादेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रतियां समिति के सदस्यों को भेंजी जाएं।

यह भी प्रादेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रतियां सभी राज्य सरकारों/स्थानीय प्रशासनों / योजना प्रायोग/विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी समिति (विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग); वज्ञानिक ग्रोर ग्रौद्योगिक ग्रनुसंधान परिषद केन्द्रीय सङ्क ग्रनुसंधान संस्थान को भी भेज दी जाएं ग्रौर इसे मामान्य सूचना के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

जगदेव सिंह भाहिया, महानिदेशक (सड़क विकास) तथा ऋपर सचिव ।